मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

# BSKC–102

## बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

## (बी.ए.एस.के.एच.)

## सत्रांत परीक्षा

## जून, 2026

## बी.एस.के.सी.-102 : संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक विश्लेषण

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** *(i) प्रश्न-पत्र चार खण्डों में विभाजित है।*

*(ii) सभी खण्ड अनिवार्य हैं।*

*(iii) प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत* ***या*** *हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी में से किसी एक माध्यम में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

---

## खण्ड–I

1. संहिताओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए संहिताओं की शाखाओं पर प्रकाश डालिए। 20

**अथवा**

उपनिषद् का अर्थ स्पष्ट करते हुए प्रमुख उपनिषदों की विवेचना कीजिए। 20

## खण्ड–II

2. रामायण का परिचय देते हुए रामायणकालीन समाज पर विस्तारपूर्वक लिखिए। 20

**अथवा**

महाभारत के विकास-क्रम को स्पष्ट करते हुए इसके काल-निर्धारण पर विस्तारपूर्वक लिखिए। 20

## खण्ड–III

3. पुराण की परिभाषा देते हुए पुराणों के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालिए। 20

**अथवा**

पुराण और महापुराण का संक्षिप्त परिचय देते हुए दोनों में अन्तर को स्पष्ट कीजिए। 20

4. मत्स्य पुराण का विस्तृत विवेचन कीजिए। 10

**अथवा**

पुराणों के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालिए। 10

5. उपपुराणों की संख्या का विवेचन कीजिए। 10

**अथवा**

'पुराण' शब्द के अर्थ को स्पष्ट करते हुए पुराण के पञ्चलक्षणों की विवेचना कीजिए। 10

6. अष्टादश पुराणों की विषय-वस्तु का विवेचन कीजिए। 10

**अथवा**

पुराण को पारिभाषित करते हुए इनके सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालिए। 10

## खण्ड–IV

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लघु टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times5=10$

(क) आचार्य भर्तृहरि एवं वाक्यपदीय का परिचय दीजिए।

(ख) वैशेषिक दर्शन का विवेचन कीजिए।

(ग) संस्कृत-भाषा में व्याकरणशास्त्र का महत्व स्पष्ट कीजिए।

(घ) पाणिनि एवं अष्टाध्यायी का परिचय दीजिए।

× × × × ×